जानसू रेल टनल का ब्रेकथ ऐतिहासिक: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

देश की सबसे लम्बी रेलवे टनल जानसू का हुआ ब्रेकथ

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। केंद्रीय रेल मंत्री बुधवार को एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और उसके बाद देवप्रयाग और जानसू के बीच बन रही जानसू टनल का भी दौरा किया, जिसका बुधवार को ही ब्रेकथ्रू हुआ। इस दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारीयों को उचित दिशा निर्देश भी दिए। देवप्रयाग और जनासू के बीच ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के अंतर्गत बन रही सबसे लंबी 14.57 किमी की टी-8 और टी-8एम डबल ट्यूब सुरंगों का ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी ने जनासू रेलवे स्टेशन पहुंचकर सुरंग निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस मौके पर गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी और राज्य के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी मौजूद रहे।

14.57 किलोमीटर लंबी इन सुरंगों का निर्माण अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की मदद से किया गया है, जो परियोजना की तकनीकी दक्षता को दर्शाता है। वहीं, परियोजना की शेष सुरंगों का निर्माण पारंपरिक ड्रिल एंड ब्लास्ट तकनीक से किया जा रहा है। क्षेत्र की जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों को देखते हुए सुरंगों की खुदाई के लिए विशेष टीबीएम मशीनें जर्मनी से मंगाई गई थीं। इसके अलावा जनासू से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर एक वर्टिकल शाफ्ट (कुआंनुमा सुरंग) भी बनाई गई है, जिससे खुदाई और निर्माण कार्य में सहायता मिल सके। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सुरंग निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो पहाड़ी क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की आधुनिक तकनीक से सुरंग निर्माण भविष्य की परियोजनाओं के लिए मिसाल बनेगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि आज का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है क्यूंकि आज ही के दिन भारत में 1853 को पहली रेल बोरीबंदर से ठाणे के बीच चली थी और आज ही भारत की सबसे लम्बी ट्रांसपोर्टेशन टनल जानसू टनल का ब्रेकथ्रू भी हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहाड़ पर रेल लाने का जो सपना था, वह अब साकार होता नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में यह सुरंग पूरी तरह से तैयार हो जाएगी।

मुख्य सचिव ने पीएम-एबीएचआईएम और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा की

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों से योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत शीघ्र ही ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, ज़िला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (डीआईपीएचएल) एवं क्रिटिकल केयर ब्लॉक को तैयार कर शीघ्र संचालन शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन सभी यूनिट्स का निर्माण कार्य पूर्ण कर संचालन किए जाने हेतु

समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। उन्होंने योजनाओं के समयबद्ध संचालन के लिए राज्य एवं जनपद स्तर पर मॉनीटरिंग किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा साप्ताहिक रूप से इन यूनिट्स की निगरानी की। साथ ही जिन यूनिट्स का कार्य पूर्ण हो चुका है उनके उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को शीघ्र प्रस्तुत किए जाएं। मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थियों को अधिक से अधिक पंजीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा के जिला कार्यान्वयन समिति एवं यूएलबी स्तर पर लम्बित आवेदन पत्रों को शीघ्र निस्तारित किया जाए। साथ ही, कारीगरों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाए जाने हेतु लगातार मॉनिटरिंग भी की जाए। साथ ही, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के माध्यम से बेचे जाने पर भी जोर दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों के यूनिटी मॉल में भी राज्य के उत्पादों के लिए स्टॉल उपलब्ध कराए जाने हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव आर. राजेश कुमार, विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे एवं स्वाति भदौरिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हेल एनर्जी ड्रिंक ने अपने अब तक के सबसे बड़े ग्लोबल कॉन्टेस्ट को पेश किया

देहरादून,(वीअ)। दुनिया में बड़ी तेजी से अपनी पहचान बनाने वाले एनर्जी ड्रिंक ब्रांड में से एक, हेल एनर्जी ड्रिंक ने भारत में अपने शानदार और बेहद रोमांचक ग्लोबल कंज्यूमर कॉन्टेस्ट की शुरुआत की है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त कामयाबी हासिल करने के बाद, अब हेल एनर्जी ड्रिंक भारत के ग्राहकों को कॉन्टेस्ट में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है, जिसमें उन्हें हर दिन और हर हफ़्ते 10,000 से ज़्यादा पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं, इसमें भाग लेने वाले ग्राहक अपने आप ही ग्रैंड प्राइज के ड्रॉ का हिस्सा बन जाएंगे। यह कैंपेन सचमुच आपके अनुभव को शानदार बनाने वाला है जिसमें कई तरह के पुरस्कार जीत सकते हैं। इन पुरस्कारों में एक लक्ज़री कार से लेकर आईफ़ोन से लेकर पूरी दुनिया में मशहूर अभिनेता और हेल एनर्जी ड्रिंक के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर मिकेल मोरोने के साथ डिनर करने का मौका शामिल है। इस कॉन्टेस्ट में आप कई पुरस्कार जीत सकते हैं, जैसे कि देश भर के ग्राहक 07 अप्रैल से 30 मई के दौरान हेल एनर्जी ड्रिंक प्रमोशनल कैन-हेल क्लासिक, हेल वॉटरमेलन और हेल एप्पल में से किसी एक को खरीदकर इस कॉन्टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। इन प्रमोशनल कैन में मिकेल मोरोने के आईकॉनिक टैटू नज़र आते हैं, जिनमें सदियों पुरानी कहानी के फीनिक्स, दो तलवारें और बहुत कुछ शामिल हैं। इसमें भाग लेना बहुत आसान है।

आरवीएनएल ने बनाई भविष्य की राह, सबसे लंबी रेल सुरंग में बड़ी कामयाबी

वीर अर्जुन संवाददाता

ऋषिकेश/ कर्णप्रयाग। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उत्तराखंड की 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल परियोजना से जुड़ी है। इस परियोजना की टनल-8 भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग है। इसी सुरंग में पहली बार टीबीएम यानी टनल बोरिंग मशीन की सफलता मिली है। यह एक ऐतिहासिक पल था। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। उन्होंने खुद साइट पर जाकर इस पल को देखा। यह हिमालयन रेल कनेक्टिविटी के लिए एक बड़ी कामयाबी है। रेल मंत्री का दौरा वहां काम करने वाले मजदूरों और

अधिकारियों के लिए प्रेरणा बना, जिन्होंने इस सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की थी। 14.57 किलोमीटर लंबी इस सुरंग की खुदाई आधुनिक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) शक्ति की मदद से की गई, जो भारत की सुरंग निर्माण तकनीक के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह पहली बार है जब देश के पहाड़ी इलाकों में रेल सुरंग बनाने के लिए टीबीएम तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। 9.11 मीटर व्यास वाली इस सिंगल-शील्ड रॉक टीबीएम ने काम में जो तेजी और सटीकता दिखाई है, वह वैश्विक स्तर पर एक नया मापदंड स्थापित करती है।

संक्षिप्त समाचार

अब मोटापे से ग्रस्त मरीजों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है: डॉ एसके मिश्रा

हरिद्वार,(वीअ)। मोटापे से ग्रस्त मरीजों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। लक्सर रोड स्थित एसआर.मेडिसिटी अस्पताल में वजन घटाने के लिए एंडोस्कोपिक इंट्रा गैस्ट्रिक बैलून प्लेसमेंट सफलतापूर्वक किया गया। एसआर मेडिसिटी हास्पिटल के संस्थापक डॉ एसके मिश्रा ने बताया कि बिना किसी साइड इफेक्ट के प्रभावी और प्रतिवर्ती विधि है। उत्तराखंड में ऑर्बेरा 365 इंट्रा गैस्ट्रिक बैलून थेरेपी को पहली बार अपनाया गया। उन्होंने कहा कि एसआर मेडिसिटी परिवार के लिए बहुत गर्व का क्षण है। उत्तराखंड में ऑर्बेरा 365 इंट्रा गैस्ट्रिक बैलून थेरेपी को पहली बार अपनाया गया। इस मौके पर डॉ एसके मिश्रा ने बताया कि अनियमित दिनचर्या और खराब जीवन शैली के चलते अधिकांश लोग मोटापे से जैसी परेशानी का सामना कर रहे हैं। इससे निजात पाने के लिए वैद्य हकीमों के चक्कर काट रहे हैं। लोग दवाई खाकर मोटापा से निजात पाना चाहते हैं लेकिन सफल नहीं हो पा रहे थे। अब नई तकनीक से नीश्चित तौर पर फायदा होगा। आने वाले समय में ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ होंगे। मोटापे से निजात पाने का लोगों का सपना पूरा हो सकेगा।

बादाम से सुधरता है दिल और मेटाबॉलिज़्म का स्वास्थ्य, वजन कम करने में भी मददगार

देहरादून,(वीअ)। एक नए प्रकाशन में, दुनिया के बड़े स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों ने बताया है कि रोज़ाना बादाम खाने से दिल और शरीर की चयापचय (मेटाबॉलिज्म) सेहत अच्छी रहती है। 11 वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने बादाम और कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर अब तक हुई रिसर्च का विश्लेषण किया और इस बात पर सहमति जताई कि बादाम का नियमित सेवन कई प्रमुख स्वास्थ्य क्षेत्रों में लाभ पहुंचा सकता है। विशेषज्ञों ने पाया कि रोज़ाना बादाम खाना एक प्रभावी और प्रमाणित खानपान रणनीति है, जो हृदय स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और पाचन तंत्र (गट माइक्रोबायोम) को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इस सहमति पत्र में यह भी बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 50 ग्राम (1.8 औंस या लगभग दो मुट्ठी) बादाम का सेवन करता है, तो कुछ मामलों में मामूली रूप से वजन घटाने में भी सहायता मिल सकती है।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सिलक्यारा टनल हुई ब्रेकथ्रू

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सफल हुआ था सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान। बाबा बौखनाग मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा, रेस्क्यू अभियान की सफलता के लिए मुख्यमंत्री ने बाबा बौखनाग से मन्नत मांगते हुए मंदिर निर्माण का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सिलक्यारा सुरंग के ब्रेकथ्रू कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में सिलक्यारा सुरंग निर्माण के दौरान 41 श्रमिक 17 दिनों तक भीतर फंस गये थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन के अंतर्गत सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। सिलक्यारा सुरंग चारधाम यात्रा की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना है। लगभग 1384 करोड़ लागत की डबल लेन की इस

सुरंग परियोजना की लंबाई 4.531 किलोमीटर है। सुरंग निर्माण से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के बीच की दूरी 25 किलोमीटर तक कम हो जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा और समय की बचत होगी। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा टनल ब्रेकथ्रू के अवसर पर परियोजना से जुड़े सभी इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों, श्रमिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर न केवल उन्नत इंजीनियरिंग की सफलता का प्रतीक है, बल्कि आस्था और समर्पण की शक्ति का जीवंत उदाहरण भी है। उन्होंने कहा कि सिलक्यारा टनल अभियान दुनिया का सबसे जटिल और लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन था। इससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की। यह घटना तकनीकी और मानवीय संकल्प की वास्तविक परीक्षा थी, सभी ने एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाया। उन्होंने समस्त रेस्क्यू टीम, रैट माइनर्स, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सहयोगी संस्थाओं का भी इस अभियान को सफल बनाने में आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलक्यारा अभियान पर पूरी दुनिया की नजरें थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और भारत सरकार के पूर्ण सहयोग के चलते राज्य सरकार ने इस चुनौतीपूर्ण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया।

फिल्म प्रोडक्शन कम्पनी साउंड स्टार्स यूके और स्मृति सहगल के प्रतिनिधियों ने डीजी सूचना से की भेंट

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शानदार फ़िल्म पॉलिसी और देवभूमि की खूबसूरत वादियों ने फिल्मकारों के लिए मुनाफे और लोकेशन्स के दरवाज़े खोल दिए हैं... यही वजह है की देश की मशहूर फ़िल्म प्रोडक्शन कम्पनी साउंड स्टार्स यूके और स्मृति सहगल ने उत्तराखंड का रुख किया है और अपने बैनर के तले 100 म्यूज़िक वीडियो बनाने का ऐलान किया है.... इसी कड़ी में साउंड स्टार्स यूके ने कमाल करदे ओ म्यूजिक वीडियो आज उत्तराखंड फ़िल्म विकास परिषद के सीईओ और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने रिलीज़ किया है।आपको बता दें की साउंड स्टार्स यूके के गीत कमाल करदे ओ की शूटिंग देहरादून और मसूरी की खूबसूरत लोकेशन पर की गई है जिसमे स्थानीय कलाकारों को शामिल करते हुए उत्तराखंड सरकार और फ़िल्म विकास परिषद के उद्देश्य को भी ध्यान में रखा गया है गीत संगीतकार गायक- इस रोमांटिक गीत में पुरुष कलाकार लव गब्बी और फीमेल लीड में आयुषी यशवर्धन ने बेहतरीन अदाकारी से गीत में जीवंतता। आपको इस टीम के

बारे में बताते हैं-चैनल निर्माता-स्मृति सहगल, कार्यकारी निर्माता-अमित सहगल, सह-निर्माता-आकाश शर्मा, क्रिएटिव डायरेक्टर-सीमा कपूर, मोहित कपूर, आदिल राव, योगी मलिक, संपादक एवं डीआई-मैक खान, निर्देशक-साहिलजीत सिंह, लेबल-साउंड स्टार्स यूके शामिल हैं। विशेष धन्यवाद-अनन्या सहगल, लीना कुमारी, कबीर सिंह, सूरज रावत, दीपक सिंह, अंजलि रावत, आयुष सिंह नेगी शूटिंग लोकेशन में राजपुर हाइट्स और रिवरस्टोन कॉटेज, देहरादून की खूबसूरत इंडोर और आउटडोर में इस रोमांटिक गाने का फिल्मांकन किया गया जिसमें मीडिया पार्टनरखोजी नारद ोिवरपदंतक.बवउ खोजी नारदऔर वेलनेस पार्टनर माइल इन्फिनिटी हैं।

एसजेवीएन ने सरकार को 121.33 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश अदा किया

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। एसजेवीएन, अग्रणी नवरत्न सीपीएसई ने हिमाचल प्रदेश सरकार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 121.33 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश अदा किया है। अंतरिम लाभांश का चेक आज शिमला में अजय कुमार शर्मा, निदेशक(कार्मिक), एसजेवीएन द्वारा हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू को सौंपा गया। इस मौके पर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अजय कुमार शर्मा , निदेशक (कार्मिक) ने अवगत करवाया कि कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 451.93 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश घोषित

किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अंतरिम लाभांश के रूप में भारत सरकार को 248.55 करोड़ रुपए तथा सार्वजनिक शेयरधारकों को 82.05 करोड़ रुपए अदा किए गए है। हिमाचल प्रदेश सरकार के पास कंपनी के 26.85: शेयर जबकि भारत सरकार के पास 55: शेयर तथा शेष 18.15: शेयर पब्लिक के पास हैं। वर्तमान में, एसजेवीएन संपूर्ण भारत और पड़ोसी देश नेपाल में जलविद्युत, सौर, पवन, पंप स्टोरेज और ताप विद्युत उत्पादन के ऊर्जा क्षेत्रों में 95 विद्युत परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। कंपनी की स्थापित क्षमता 2,708.27 मेगावाट है, और कुल परियोजना पोर्टफोलियो 66107.4 मेगावाट है।

ADITYA BIRLA CAPITAL PROTECTING INVESTING FINANCING ADVISING

आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः इंडियन रेयान कम्पाउंड, वेरावल, गुजरात–362266
शाखा कार्यालयः दूसरा तल, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001

परिशिष्ट–IV (प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का नियम 8(1) देखें)
सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

विलय योजना दिनांक 11.03.2024 के तहत आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड और आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के बीच विलय के कारण जिसे राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण – अहमदाबाद द्वारा 24.03.2025 को पारित आदेश में विधिवत दर्ज किया गया है नीचे उल्लिखित ऋण खाते और बंधक संपत्ति के संबंध मे आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड द्वारा शुरू की गई/शुरू की जाने वाली सभी सरफेसी कार्रवाइयां एकीकृत कंपनी आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड को हस्तांतरित हो गई है। चूंकि अधोहस्ताक्षरी ने आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड जिसका शाखा पता प्लॉट नंबर–17, विजया बिल्डिंग, द्वितीय तल, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली–110001 है, के प्राधिकृत अधिकारी के तौर पर वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम (2002 का 54) के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना दिनांक 21.01.2025 जारी कर कर्जदारों अर्थात मैसर्स इंडिया मेटल कॉर्पो, मार्फत मालिक श्रीमती नीति बंसल, मैसर्स टी एम एंटरप्राइजेज, मार्फत मालिक श्री मनु बंसल को सूचना मे उल्लिखित राशि रु. 1,51,32,715.91/– (एक करोड़ इक्यावन लाख बत्तीस हजार सात सौ पंद्रह रुपए और एकानबे पैसे मात्र) उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर पुनर्भुगतान करने के लिए कहा गया।
कर्जदारों द्वारा राशि चुकाने में असफल रहने के कारण, कर्जदारों और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे अधोहस्ताक्षरी ने अधिनियम की धारा 13(4) के साथ प्रतिभूति हित नियम (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए 16 अप्रैल, 2025 को नीचे वर्णित संपत्ति का प्रतीकात्मक कब्जा ले लिया है।
विशेष रूप से कर्जदारों और आम जनता को संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन–देन आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के प्रभार जिसकी राशि रु. 1,51,32,715.91/– (एक करोड़ इक्यावन लाख बत्तीस हजार सात सौ पंद्रह रुपए और एकानबे पैसे मात्र) और उस पर ब्याज का भुगतान करने के अधीन होगी।
कर्जदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को विमोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध मे अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

निम्नलिखित के सभी भाग एवं हिस्से: "टॉवर–ए की 8वीं मंजिल पर फ्लैट नंबर ए–801, एक कवर्ड कार पार्किंग स्पेस (ए–801 कवर्ड पार्किंग क्षेत्र के रूप मे चिह्नित) के साथ जिसका क्षेत्रफल 3019 वर्ग फीट या 280.57 वर्ग मीटर है और जिसका कारपेट एरिया 1608.88.38 वर्ग फीट या 149.47 वर्ग मीटर और बालकनी एरिया 553.05 वर्ग फीट या 51.38 वर्ग मीटर वर्ग है जिसमे चार बेडरूम, चार शौचालय, एक किचन, एक ड्राइंग रूम, एक डायनिंग रूम और बॉलकोनी है जो खसरा नंबर 90 डीए, खसरा नं. 90 सीएचए, खसरा नं. 33, खसरा नं. 90 जीएचए, खसरा नं. 90 जीए, खसरा नं. 90 केए और खसरा नं. 90 सीएचएचए है और मौजा किशनपुर, परगना सेन्ट्रल दून, जिला देहरादून मे स्थित है और निगम सं. 281 (नया नं. 174 का भाग है) राजपुर रोड, देहरादून और व्हिस्परिंग विलोज़ के रूप में ज्ञात और निम्नानुसार घिरा है: उत्तर: कॉरिडोर, दक्षिण: खुला आकाश, पूर्व: खुला आकाश, पश्चिम: खुला आकाश"।
स्थान: देहरादून तिथि: 16.04.2025 प्राधिकृत अधिकारी (आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड)

एनडीएमए ने चारधाम यात्रा मॉक ड्रिल की परखीं तैयारियां

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 24 अप्रैल को आयोजित की जा रही चारधाम यात्रा मॉक ड्रिल को लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने मॉक ड्रिल के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बुधवार को आयोजित ओरियंटेशन तथा कोऑर्डिनेशन कॉफ्रेंस में चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जनपदों के अधिकारी तथा विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारी शामिल हुए। एनडीएमए के सीनियर कंसलटेंट मेजर जनरल सुधीर बहल (अप्रा) ने मॉक ड्रिल के आयोजन तथा संचालन

को लेकर विस्तार से जानकारी दी। मेजर जनरल बहल ने कहा कि आपदा प्रबंधन किसी एक व्यक्ति या विभाग का कार्य नहीं है, बल्कि इसमें सामूहिक सहभागिता जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर आपदाओं का सामना करने के लिए उनकी क्षमताओं और तैयारी को परखना तथा उनमें वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि यह मॉक ड्रिल आईआरएस यानी घटना प्रतिक्रिया प्रणाली के तहत संचालित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आईआरएस एक ऐसी प्रणाली है, जिसे अपनाकर प्रभावी तरीके से आपदाओं का सामना किया जा सकता है। आईआरएस में सभी अधिकारियों तथा विभागों की कर्तव्य एवं दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। इस दौरान उन्होंने विस्तार पूर्वक बताया कि आईआरएस के तहत किस विभाग की तथा किस अधिकारी की क्या भूमिका है। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन विभाग तथा अन्य फोर्सेज के अधिकारी ऑब्जर्वर की भूमिका निभाएंगे। इस मॉक ड्रिल का संचालन यूएसडीएमए स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से किया जाएगा। बैठक में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, वित्त नियंत्रक अभिषेक कुमार आनंद, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबैदुल्लाह अंसारी, एसपी जया बलूनी, यूएलएमएमसी के निदेशक शांतनु सरकार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राकेश मोहन खंकरियाल, सेना, पैरामिलिट्री फोर्सेज के अधिकारी, यूएसडीएमए, यूएलएमएमसी तथा यू प्रिपेयर के विशेषज्ञ और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ICICI Home Finance
कॉर्पोरेट कार्यालयः आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, आईसीआईसीआई एचएफसी टॉवर, अंधेरी–कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई–400059, भारत
शाखा कार्यालयः तीसरा तल, शॉप नं. 21/42, राजपुर रोड–2, नजदीक क्रॉस रोड माल, देहरादून यूके–248001

निजी संधि के माध्यम से अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित नियम, 2002 के प्रवर्तन के साथ प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(8) के साथ पठित 9(1) के प्रावधानों के अंतर्गत निजी संधि के माध्यम से अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना
आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईसीआईसीआई एचएफसी) ने नीचे उल्लिखित गिरवी संपत्ति की बिक्री के लिए कई ई–नीलामी आयोजित की हालांकि, ऐसी सभी ई–नीलामी विफल रही। अब, एक इच्छुक खरीदार ने उक्त संपत्ति को रु. 20,00,000/– की राशि में खरीदने की पेशकश के साथ आईसीआईसीआई एचएफसी से संपर्क किया है। एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित की गई है, जिसका कब्जा ले लिया गया है। आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा इसे संक्षिप्ता के अनुसार निजी संधि के माध्यम से, "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" पर बेचा जाएगा। विवरण यहां नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	कर्जदारों/सह–कर्जदारों/गारंटरों/विधिक उत्तराधिकारियों का नाम लोन खाता सं.	प्रतिभूत परिसंपत्तियों का ज्ञात अधिभार, यदि कोई हो, के साथ विवरण	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य धरोहर जमा राशि	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय	नीलामी तिथि से एक दिन पूर्व	सरफेसी स्टेज
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)
1	राकेश कुमार (कर्जदार), पूनम देवी (सह–कर्जदार) लोन खाता सं. एलएचडीईएच00001515512 एवं एलएचडीईएच00001515513	मौजा माजरी ग्रांट, तहसील डोईवाला, परगना परवा दून, जिला देहरादून, उत्तराखंड में स्थित भूमि खाता खतौनी नं. 1122 (1425 से 1430 फासली) खसरा नं. 295 मिनि	रु. 21,52,764/– अप्रैल 11, 2024	रु 20,00,000/– रु 2,00,00/–	April 29, 2025 11:00 AM 03:00 PM	April 06, 2025 02:00 AM 03:00 PM	May 05, 2025 before 04:00 PM	सांकेतिक कब्जा

ऑनलाइन नीलामी हमारी ऑक्शन एजेंसी वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्रा.लि. की वेबसाइट (यूआरएल लिंक https://BidDeal.in) पर आयोजित की जाएगी। संभावित बोलीदाताओं को आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, ऊपर उल्लिखित शाखा कार्यालय पते पर बयाना राशि (ईएमडी) आरटीजीएस/डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम ई देखें) के माध्यम से 5 मई, 2025 को शाम 04:00 बजे तक या उससे पूर्व जमा करनी होगी। संभावित बोलीदाताओं को पंजीकरण फॉर्म और बोली नियम और शर्तों की एक हस्ताक्षरित प्रति भी लेख के शीर्ष पर उल्लिखित आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय पते पर 5 मई, 2025 को शाम 05.00 बजे से पहले जमा करनी होगी। बयाना राशि डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) किसी राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से "आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड–ऑक्शन" के पक्ष में ऊपर उल्लिखित शाखा कार्यालय के पते पर देय होना चाहिए। आम जनता से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां उपरोक्त उल्लिखित इच्छुक खरीदार द्वारा दी जा रही राशि से अधिक की बोली के साथ जमा करें। यह सूचित किया जाता है कि यदि प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(8) के साथ नियम 9(1) के अनुसार आईसीआईसीआई एचएफसी द्वारा उपरोक्त इच्छुक खरीदार द्वारा दी जा रही राशि से अधिक की कोई बोली प्राप्त नहीं होती है, तो गिरवी रखी गई संपत्ति उक्त इच्छुक खरीदार को बेच दी जाएगी। निरीक्षण, नीलामी के नियम व शर्तें या बोली जमा करने के संबंध में किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से 9920807300 पर संपर्क करें। प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को निरस्त करने का अधिकार रखते हैं। बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया https://www.icicihfc.com को देखें।
तिथि: 17 अप्रैल, 2025
स्थान: देहरादून
प्राधिकृत अधिकारी, आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड,
CIN Number : U65922MH1999PLC120106